



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 4
PART II—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 13] नई दिल्ली, बुधवार, नवम्बर 16, 1988/कार्तिक 25, 1910
No. 13] NEW DELHI, WEDNESDAY, NOVEMBER 16, 1988/KARTIKA 25, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

एका मंत्रालय

प्रधिसूचना

नई दिल्ली, 16 नवम्बर, 1988

का.नि.प्र. 14(ई).—केन्द्रीय सरकार, नौसेना अधिनियम, 1957 (1957 का 82) की धारा 3 की उपधारा (1) के खंड (ख) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि 16 नवम्बर, 1988 से तीस मास की और अधिवृत्ति के लिए और का.नि.प्र. 9(घ) तारीख 16 नवम्बर, 1988 द्वारा प्रकाशित अधिसूचना के क्रम में श्री लंका में भारतीय शांति सेना में सेवा या कर्तव्य, उक्त अधिनियम के अर्थ में और उसके प्रयोजनों के लिए सक्रिय सेवा होगी।

[फाइल सं. एमएफ/एनएस/4438]

पी. राय, संयुक्त सचिव (जी सेवा)

MINISTRY OF DEFENCE**NOTIFICATION**

New Delhi, the 16th November, 1988

S.R.O. 14(E).—In exercise of the powers conferred by clause (b) of sub section (1) of section 3 of the Navy Act, 1957 (62 of 1957), the Central Government hereby declares that for a further period of three months with effect from 18 November, 1988, and in continuation of the notification published vide SRO 9(E), dated 18 August, 1988, service or duty with the Indian Peace Keeping Force in Sri Lanka shall be active service within the meaning and for the purposes of the said Act.

[File No. MF/NL/4438]

P. RAY, Jt. Secy. (Navy)